जॉर्ज वाशिंगटन और पहले गुब्बारे की उड़ान

एडमंड लिंडॉप

जॉर्ज वाशिंगटन और पहले गुब्बारे की उड़ान

एडमंड लिंडॉप

बूम! सुबह की ठंडी हवा में तोप गरज रही थी.

बूम! एक दूसरे तोप के विस्फोट ने उस बिस्तर को हिलाया जिस पर रोजर वालेस और उसका कुत्ता टोबी सो रहे थे.

टोबी, जो बिस्तर के नीचे लेटा था, एक झटके के साथ उठकर बैठ गया. उस भयभीत छोटे काले कुत्ते के कान खड़े हो गए. फिर टोबी रेंगते हुए बिस्तर के सिरे पर पहुंचा और वो अपने मालिक का गाल चाटने लगा.

रोजर ने जब अपनी आँखें खोलीं तो उसने कुत्ते को कांपते हुए देखा.

"अच्छा, तो तोपों ने भी तुम्हें जगा दिया?" उसने धीरे से कहा. "उन तेज़ आवाज़ों से डरो मत, टोबी."

उसके बाद लड़का खुद बिस्तर से कूदा और उसे छोटे कुत्ते को अपनी बाहों में ले लिया. "कांपना छोड़ो, टोबी," उसने कुत्ते को थपथपाते हुए कहा. "तोप की गर्जन हमें बताती हैं कि आज एक विशेष दिन है."

लेकिन जब रोजर, टोबी को शांत करने की कोशिश कर रहा था तो उसका अपना दिल उत्साह से धड़क रहा था. क्योंकि आज वो दिन था जब एक आदमी गर्म हवा के गुब्बारे की टोकरी में चढ़कर आकाश में उड़ने की कोशिश करने वाला था.

हमारे देश में पहले भी अन्य लोगों ने गर्म हवा के गुब्बारे में उड़ने की कोशिश की थी, लेकिन वे सभी असफल रहे थे. पर आज, दुनिया के सबसे प्रसिद्ध बलूनिस्ट उड़ने वाले थे. वो पृथ्वी के ऊपर ऊंची उड़ान भरने का प्रयास करने वाले थे. उनका नाम जीन पियरे ब्लैंचर्ड था और वो फिलाडेल्फिया, अमरीका में फ्रांस से आए थे.

फिलाडेल्फिया, जहां रोजर रहता था, अमरीका का एक महत्वपूर्ण शहर था. अमरीका की स्वतंत्रता की घोषणा और संविधान, फिलाडेल्फिया में ही लिखा गया था. और 1790 में वो शहर अमरीका की राष्ट्रीय राजधानी बना था. अब, 9 जनवरी, 1793 की सुबह, फिलाडेल्फिया के लोग एक और महान घटना की प्रतीक्षा कर रहे थे.

टिकट उन लोगों को बेचे गए जो मिस्टर ब्लैंचर्ड को गुब्बारे में उड़ते हुए करीबी से देखना चाहते थे. टिकट की कीमत पाँच डॉलर थी - जो एक लड़के के लिए बहुत अधिक थी. लेकिन रोजर, मिस्टर ब्लैंचर्ड को गुब्बारे में उड़ते हुए देखने के लिए बहुत उत्सुक था. रोजर के पिता लकड़ी की अलमारियां बनाते थे. रोजर ने अपने पिता के साथ काम करते हुए लंबा समय बिताया था. रोजर, मिस्टर बोवेन जिनकी हाई स्ट्रीट पर मोमबत्तियों की दुकान थी के लिए भी छोटे-मोटे काम करता था. मिस्टर ब्लैंचर्ड, दिसंबर में जब से शहर में आए थे वो मिस्टर बोवेन के घर में ही रह रहे थे.

रोजर चाहता था कि मिस्टर बोवेन, मिस्टर ब्लैंचर्ड को बताएं कि वो एक ऐसे लड़के को जानते हैं जो उड़ान में उसकी मदद करना चाहता था. रोजर ने कई बार गुब्बारे में सवार होने का सपना भी देखा था. लेकिन उसे डर था कि उसका सपना कभी सच नहीं होगा.

रोजर ने अपने सारी कमाई एक बड़े डिब्बे में जमा करी थी और हर सुबह वो पैसों को ध्यान से गिनता था. गुब्बारे की उड़ान वाले दिन, उसके पास अपने टिकट के लिए पर्याप्त पैसे जमा हो गए थे.

अपने हाथों और चेहरे को रगड़ने के बाद, रोजर ने बड़ी अलमारी में से अपने सबसे अच्छे कपड़े निकाले. आमतौर पर वो उन कपड़ों को रविवार के लिए रखता था. लेकिन रोजर ने आज उन्हें गर्व से पहना. फिर उसने टोबी के बालों को ब्रश करके चमकाया. वो चाहता था कि उस महत्वपूर्ण अवसर पर उसका पालतू कुत्ता भी सुंदर दिखे.

जाते समय रोजर ने डिब्बे से पैसे निकाले और जेब में रखे. उसने सामने का दरवाजा खोला और फिर वो सुबह की तेज हवा में टोबी के साथ बाहर निकला.

वो गली में से नीचे उतरा. रोजर ने सोचा कि अगर वो एक बलूनिस्ट होता तो कितना अच्छा होता. हवा में छतों के ऊपर, पेड़ों से ऊँचा, ऊँची-ऊँची इमारतों से भी ऊँचा उड़ना कितना रोमांचकारी होता.

हर पंद्रह मिनट में तोप दो बार गरज रही थी. वो नागरिकों को याद दिला रही थी कि वो एक बेहद महत्वपूर्ण दिन था. जल्द ही सड़कों पर रोमांचक कार्यक्रम को देखने के लिए लोगों की भीड़ लग गई थी.

कुछ लोग सुंदर गाड़ियां में सुंदर पोशाक पहने बैठे थे. कुछ लोग घोड़ों पर सवार थे. लेकिन ज़्यादातर लोग पैदल ही चल रहे थे.

जल्द ही रोजर ने मिस्टर बोवेन को भीड़ में देखा और उसने उनकी ओर हाथ हिलाया. "गुड मॉर्निंग, सर," रोजर चिल्लाया. "क्या मिस्टर ब्लैंचर्ड तैयार हैं?"

"हाँ, उन्हें तैयार होना चाहिए," मिस्टर बोवेन ने जवाब दिया. "मुझे लगता है कि वो तैयारी करने के लिए भोर से पहले ही यहाँ आ गए थे."

अपनी जेब में टिकट के पैसे झटकाते हुए रोजर मुस्कुराया. "क्या यह सच है कि राष्ट्रपति वाशिंगटन भी यहां आएंगे?" उसने पूछा.

"हाँ," मिस्टर बोवेन ने उत्तर दिया. "और मिस्टर ब्लैंचर्ड राष्ट्रपति को निराश नहीं करेंगे. समुद्र के उस पार, यूरोप में, उन्होंने चालीस-बार गुब्बारे उड़ाए हैं. अब उनके फेल होने का कोई कारण नहीं है."

रोजर की आँखें उत्साह से भर गईं. "ओह, मेरी भी बहुत इच्छा है कि मैं उनके साथ गुब्बारे में ऊपर जा सकूं."

मिस्टर बोवेन ने सोच समझकर रोजर की तरफ देखा. वो जानते थे कि रोजर की गुब्बारे में उड़ने की तीव्र इच्छा थी. अंत में उन्होंने कहा. "अखबारों में लिखा है कि गुब्बारे को भरने वाली हाइड्रोजन गैस को बनाना बहुत महंगा होता है. मिस्टर ब्लैंचर्ड केवल एक व्यक्ति को हवा में ऊपर रखने के लिए पर्याप्त हाइड्रोजन का खर्च उठा सकते हैं."

अचानक मिस्टर बोवेन नीचे झुके और उन्होंने टोबी को उठा लिया. "लेकिन अगर मिस्टर ब्लैंचर्ड तुम्हारे कुत्ते को गुब्बारे में ले जाएं तो तुम्हें कैसा लगेगा?" मिस्टर बोवेन ने पूछा.

"वो टोबी को ज़रूर ले जाएं!" रोजर विस्मय से चकित होकर कहा.

"हां," मिस्टर बोवेन ने उत्तर दिया. "देखो रोजर, तुम बहुत भारी हो, लेकिन तुम्हारे कुत्ते का वजन केवल कुछ पाउंड का है. शायद गुब्बारा उसे बिना किसी परेशानी के ले जा पाएगा. और मुझे लगता है कि अगर मिस्टर ब्लैंचर्ड को साथ देने के लिए और कोई जीव होगा तो उन्हें बहुत खुशी होगी."

"लेकिन क्या यात्रा सुरक्षित होगी?" रोजर ने पूछा. "क्या मैं टोबी को फिर से देख पाऊंगा?"

मिस्टर बोवेन ने सोच-समझकर अपनी ठुड्डी सहलाई. "देखो, गुब्बारे की उड़ान में हमेशा कुछ खतरा होता है, लेकिन हमें मिस्टर ब्लैंचर्ड पर विश्वास करना चाहिए. उन्होंने अपनी उड़ान की तैयारी में हर संभव सावधानी बरती है."

रोजर ने मिस्टर बोवेन की बाहों में अपने कुत्ते टोबी को देखा. धीरे से उसने कुत्ते के छोटे से काले सिर को थपथपाया. "टोबी, तुम्हें कैसा लग रहा है?" उसने पूछा. "क्या तुम गुब्बारे में उड़ान भरने वाले फिलाडेल्फिया के पहले कुत्ते बनना चाहते हो?"

"और पहले अमेरिकी भी," मिस्टर बोवेन ने हंसते हुए कहा.

टोबी ने अपना सिर उठाया और वो कई बार भौंका. उसे लगने लगा था कि जल्द ही उसके साथ कुछ महत्वपूर्ण होने वाला था.

गुब्बारे को वॉलनट स्ट्रीट जेल के प्रांगण से अपनी उड़ान शुरू करनी थी. इस बड़े आयोजन के लिए जेल शायद एक अजीब जगह थी. लेकिन जेल का प्रांगण इतना बड़ा था कि वहां से बहुत से लोग एक-साथ बैठ सकते थे और वो इतना चौड़ा था कि गुब्बारा वहां से उड़ सकता था.

जब मिस्टर बोवेन, रोजर और टोबी जेल के गेट पर पहुँचे, तो सामने की सड़क पर काफी भीड़ थी. आस-पास की सभी खिड़कियां लोगों, महिलाओं और बच्चों से भरी हुई थीं. लोग पेड़ों पर चढ़े थे, लोग छतों पर खड़े थे, और यहाँ तक कि एक बहादुर लड़का झंडे के खम्बे पर भी चढ़ गया था.

प्रांगण के अंदर एक बैंड संगीत की धुनें बजा रहा था. उस जीवंत संगीत ने रोजर को उत्साहित किया. लेकिन जब उसने मशहूर बैलूनिस्ट को एक झलक देखा तो वो और भी रोमांचित हो गया.

जीन पियरे ब्लैंचर्ड एक छोटे कद का आदमी था, लेकिन वो देखने में ताकतवर था. उन्होंने एक सुंदर नीला सूट और तीन कोनों वाली टोपी पहनी थी.

टोबी को अपनी बाहों में लिए हुए, मिस्टर बोवेन, रोजर के साथ भीड़ को धक्का देकर आगे बढे. वे बैलूनिस्ट के पास गए. रोजर ने भी बैलूनिस्ट से हाथ मिलाया. रोजर का दिल तेजी से धड़क रहा था.

मिस्टर बोवेन ने बैलूनिस्ट के साथ कुछ मिनटों तक बात की. रोजर उनकी बात समझ नहीं पाया क्योंकि वे फ्रेंच में बात कर रहे थे. लेकिन जब मिस्टर बोवेन ने टोबी, बैलूनिस्ट को सौंप दिया तब रोजर समझ गया कि उसका छोटा कुत्ता एक महान साहसिक कार्य करने वाला था.

अचानक बैंड बजना बंद हो गया और फिर से तोपों की गर्जना शुरू हो गई. इस बार उन्होंने पंद्रह तोपों की सलामी दी. इसका मतलब केवल एक ही हो सकता है. राष्ट्रपति वाशिंगटन अपने सफेद कोच में आ पहुंचे थे.

रोजर ने पीछे मुड़कर जेल के फाटक की ओर देखा. लोग तालियां बजाकर स्वागत रहे थे. सिर ऊंचा और कंधों को सीधा रखते हुए, राष्ट्रपति वाशिंगटन ने गेट से अंदर कदम रखा.

मिस्टर ब्लैंचर्ड का राष्ट्रपति से परिचय कराया गया. उन्होंने राष्ट्रपति वाशिंगटन को आने के लिए धन्यवाद दिया. फिर बलूनिस्ट अपने बड़े पीले रेशम के गुब्बारे के पास चला गया, जो अब जमीन से कुछ फीट ऊपर उठ चुका था, लेकिन अभी भी मजबूत रस्सियां उसे पकड़े थीं.

नीले रंग से रंगी एक टोकरी गुब्बारे के नीचे बंधी हुई थी. इसमें बैलूनिस्ट को उसकी उड़ान में मदद करने के लिए सैंडबैग (रेत के थैले), वैज्ञानिक उपकरण और कुछ भोजन रखा था.

देखते ही देखते ढोल और बिगुल बजने लगे. रोजर ने करीब से देखा. राष्ट्रपति वाशिंगटन हाथ में एक कागज लेकर आगे बढ़े. सबसे पहले, उन्होंने भीड़ को एक भाषण दिया और फिर मिस्टर ब्लैंचर्ड के लिए उनके भाषण का फ्रेंच में अनुवाद किया गया.

राष्ट्रपति ने कहा कि मिस्टर ब्लैंचर्ड ने इतनी लंबी दूरी से अमेरिका आकर गुब्बारे की उड़ान भरकर लोगों को सम्मानित किया था. फिर राष्ट्रपति वाशिंगटन ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और बलूनिस्ट को एक कागज थमा दिया.

वो कागज़ एक आधिकारिक पत्र था, जिस पर राष्ट्रपति की मुहर लगीथी. बलूनिस्ट अपना गुब्बारा उतरने के बाद वो पत्र किसी को भी दिखा सकता था. चूंकि मिस्टर ब्लैंचर्ड अंग्रेजी नहीं बोलते थे, इसलिए वो पत्र अजनबियों को उनकी यात्रा का मकसद बतलाता. और राष्ट्रपति ने अपने पत्र में सभी बहादुर अमरीकियों से बलूनिस्ट की मदद करने की विनती की थी.
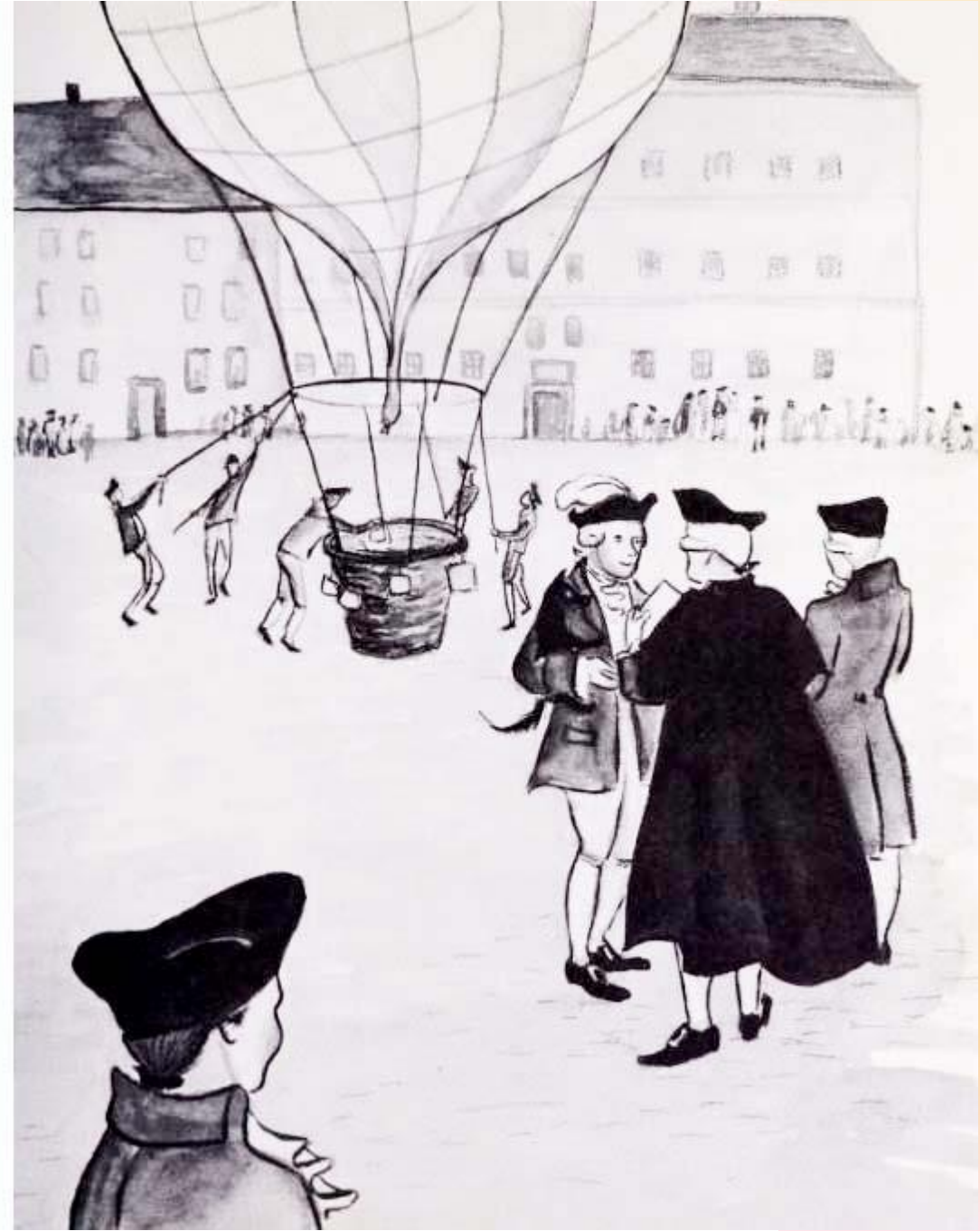
जब सब कुछ तैयार हो गया, तो बलूनिस्ट टोबी को अपनी बाहों में लेकर टोकरी में चढ़ गया. फिर उसने रस्सियों को खोलने का आदेश दिया, और उसने कुछ रेत के थैले बाहर फेंक दिए.

सबसे पहले गुब्बारा अगल-बगल से लहराया. रोजर ने नीचे की ओर देखा और अपनी सांस रोककर रखी. शीघ्र ही गुब्बारा सीधा हो गया और ऊपर की ओर उठने लगा. कुछ ही सेकंड में गुब्बारा जेल की दीवार से ऊपर उड़ रहा था.

बैंड बजा और तोपों ने गर्जन की. बलूनिस्ट ने एक चमकीला झंडा लहराया जिसमें एक तरफ अमरीकी सितारे और धारियां थीं और दूसरी तरफ फ्रांस के तीन रंग थे. टोकरी के किनारे पर झुककर, उसने अपनी तीन-कोने वाली टोपी को नीचे झुकाकर भीड़ का अभिवादन किया. रोजर ने सोचा कि वह टोबी को भौंकते हुए सुन सकता था. पर फिर गुब्बारा ऊंचा और ऊंचा चढ़ता गया.

लड़के ने गुब्बारे का पीछा करने के लिए अपनी आँखों पर ज़ोर डाला जब तक कि वह दृष्टि से ओझल नहीं हो गया. फिर, चिंतित भाव के साथ, उसने मिस्टर बोवेन की ओर रुख किया. मिस्टर बोवेन ने लड़के के कंधे पर हाथ रखा. "याद रखो, उन्होंने कई सफल उड़ानें भरी हैं," उन्होंने धीरे से कहा.

तेजी से ऊपर उठा, गुब्बारा तेज हवा में फंस गया. मिस्टर ब्लैंचर्ड ने नीचे देखा. उन्होंने घुड़सवारों को उस दिशा में सरपट दौड़ते हुए देखा जिस दिशा में गुब्बारा उड़ रहा था. घोड़े अपनी पूरी ताकत से दौड़ रहे थे, लेकिन हवा से चलने वाले गुब्बारे से, घोड़े मुकाबला नहीं कर सकते थे. गुब्बारा बीस मील प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ था. अमेरिका में इससे पहले कभी किसी ने इतनी तेजी से यात्रा नहीं की थी!

जैसे ही गुब्बारा बादलों के बीच से गुजरा, मिस्टर ब्लैंचर्ड ने ख़ुशी महसूस की. जबकि टोबी डर गया. पहले तो टोबी हवा में उछला और उसने अजीब टोकरी से बाहर निकलने की कोशिश की. लेकिन जब उसने नीचे छतों और पेड़ों को देखा, तो वह फर्श पर लेटकर कराहने लगा. मिस्टर ब्लैंचर्ड ने उससे फ्रेंच में बात करने की कोशिश की, लेकिन टोबी केवल अंग्रेजी समझता था. यहां तक कि जब बलूनिस्ट ने उसे एक दोस्ताना ढंग से थपथपाया, तब भी दुखी छोटा कुत्ता डर से कांप उठा.

कुछ ही देर में कबूतरों का एक झुंड आसमान में तैरती पीली गेंद के पास पहुंचा. जैसे ही गुब्बारा उनके पास आया, पक्षी चौंक गए और अपने पंख बेतहाशा फड़फड़ाते लगे और ऊंची आवाज़ में रोने लगे. फिर तेजी से वे अलग-अलग दिशाओं में उड़ गए, जिससे गुब्बारे के उड़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ. जब उन्होंने कबूतरों को इधर-उधर भागते हुए देखा तब ब्लैंचर्ड हंस पड़े.

अपने उपकरणों की जाँच से मिस्टर ब्लैंचर्ड को पता लगा कि उनका गुब्बारा लगभग छह हज़ार फीट की ऊँचाई तक पहुँच गया है. यह आकाश में एक मील से अधिक की ऊंचाई थी! नीचे का परिदृश्य अब इतना दूर था कि डेलावेयर नदी अब उन्हें केवल कुछ इंच चौड़ी रिबन की तरह दिख रही थी.

सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा था, इसलिए ब्लैंचर्ड ने आराम किया और कुछ बिस्कुट खाए. उन्होंने टोबी को भी कुछ बिस्कुट खाने को दिए, जो अब बेहतर महसूस कर रहा था क्योंकि उसे हवाई गुब्बारे की अब आदत हो गई थी.

अचानक खतरा आ गया! दक्षिण से घना कोहरा बहने लगा. उससे कठिन परेशानी हो सकती थी. मिस्टर ब्लैंचर्ड कोहरे में कुछ भी देख नहीं पाते और फिर उनका गुब्बारा न्यू जर्सी और समुद्र में बह सकता था. बलूनिस्ट को पता था कि उसे जल्द ही कुछ करना होगा. कोहरे द्वारा अंधेरे करने से पहले ही उसे गुब्बारा उतारना होगा.

जल्दी से बलूनिस्ट ने कुछ हाइड्रोजन बाहर छोड़ने के लिए वाल्व खोला. बड़ी पीली गेंद नीचे की ओर गिरने लगी. जैसे ही गुब्बारा जमीन की ओर बढ़ा, मिस्टर ब्लैंचर्ड एक घास के मैदान में गायों और घोड़ों को देख सके. फिर उन्होंने एक राहत की सांस ली, क्योंकि वो उतरने के लिए एक सुरक्षित जगह थी.

अचानक हवा के एक तेज झोंके ने गुब्बारे को जकड़ लिया और उसे दक्षिण की ओर बहा कर ले गया. अब घास का मैदान की बजाए नीचे घने जंगल दिख रहे थे. एक और पल में गुब्बारा और उसके यात्री पेड़ों के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हो सकते थे!

तेजी से आगे बढ़ते हुए, मिस्टर ब्लैंचर्ड ने हाइड्रोजन का वाल्व बंद कर दिया और गुब्बारे को हल्का बनाने के लिए भारी रेत के थैलों को टोकरी से बाहर फेंकना शुरू किया. कुछ फुट नीचे पेड़ों की नुकीली शाखाओं को देखकर उनका चेहरा पसीने से ढँक गया.

धीरे-धीरे गुब्बारा फिर से ऊपर उठने लगा. लेकिन मिस्टर ब्लैंचर्ड जानते थे कि हाइड्रोजन का एक बड़ा हिस्सा पहले ही निकलकर बह गया था और गुब्बारा और अधिक समय तक हवा में नहीं रह सकता था.

गुब्बारे के चारों ओर कोहरा घूमने लगा. ब्लैंचर्ड को नीचे की जमीन मुश्किल से ही दिख रही थी. लेकिन कोहरे की लहरों के बीच उन्हें जंगल के बीच में एक छोटे से खुले इलाके की झलक दिखाई दी. जल्दी से उन्होंने फिर से वाल्व खोला और उम्मीद की कि गुब्बारा उस खुले इलाके में उतरेगा. अपनी सांस रोककर, वो कसकर टोकरी के किनारे से चिपक गए. उछलता हुआ गुब्बारा फैली हुई शाखाओं के पास खतरनाक तरीके से नीचे लहराया. लेकिन अंत में वो घास के मैदान पर आकर टिक गया.

टोबी ऊपर और नीचे कूदा और अपनी पूंछ हिलाकर यह दिखाया कि वो वापस जमीन पर कितना खुश था. मिस्टर ब्लैंचर्ड ने उसे टोकरी से नीचे उतारा. फिर तुरंत छोटा कुत्ता पास के एक कुंड से पानी पीने के लिए तेजी से दौड़ा.

लेकिन बैलूनिस्ट की मुश्किलें अभी खत्म नहीं हुई थीं. पीछे की सरसराहट सुनकर वो तेजी से पलटा. पेड़ों के झुरमुट में एक किसान उसे घूर रहा था. ब्लैंचर्ड ने उसे फ्रेंच में बुलाया, लेकिन चौंका हुआ किसान पीछे हट गया.

डरे हुए किसान को देखकर बलूनिस्ट मुस्कुराया, लेकिन उन्हें पता था कि बेचारा कैसा महसूस कर रहा होगा. आसमान से गिरती एक बड़ी पीली गेंद में बैठा एक जासूस किसी को भी डराने के लिए काफी था! और जब गेंद की रेशम की थैली गिरी, तो किसान को वो एक जादू लगा.

मिस्टर ब्लैंचर्ड चाहते थे कि किसान उनकी मदद करे, इसलिए उन्होंने उसे राष्ट्रपति का पत्र दिखाया. लेकिन उससे कुछ फायदा नहीं हुआ, क्योंकि वो किसान पढ़ नहीं सकता था.

कुछ मिनट बाद एक शिकारी, बंदूक के साथ उस मैदान में दिखाई दिया. जंगल में पीले रंग का एक विशाल थैला देखकर वो इतना चकित हुआ कि उसने अपनी बंदूक गिरा दी और उसने अपने हाथों को स्वर्ग की ओर उठाया.

जिन लोगों ने ब्लैंचर्ड को देखा था, वे बहुत डरे हुए थे और उनकी मदद नहीं कर सकते थे. लेकिन कुछ ही देर में दो मर्द और दो महिलाएं घोड़ों पर सवार होकर वहां पहुंचे. जब उन्होंने राष्ट्रपति का पत्र पढ़ा, तो वे फंसे हुए गुब्बारे की मदद करने के लिए तुरंत तैयार हुए.

फ्रेंच बोलने वाले एक व्यक्ति ने ब्लैंचर्ड को बताया कि वह न्यू जर्सी में फिलाडेल्फिया से लगभग पंद्रह मील की दूरी पर एक स्थान पर उतरा था. फिर वे लोग टोकरी और गुब्बारे को एक फार्महाउस में ले गए, जहां उन्होंने उसे एक गाड़ी पर लाद दिया.

मिस्टर ब्लैंचर्ड और टोबी ने फिलाडेल्फिया की वापस यात्रा शुरू की. वे घोड़ा-गाड़ी से यात्रा कर रहे थे. उन्हें लौटने में छह घंटे लगे, क्योंकि वे रात के खाने के लिए बीच में रुके. वही दूरी उन्होंने गुब्बारे से एक घंटे से भी कम समय में तय की थी.

इस बीच, जैसे-जैसे शाम का साया गहराता गया, रोजर को टोबी के बारे में और अधिक चिंता सताने लगी. वह बोवेन हाउस के सामने आगे-पीछे चहलकदमी करने लगा. हर बार जब कोई गाड़ी या वैगन आती, तो वह फ्रांसीसी बलूनिस्ट को उसमें खोजता था.

अंत में जब बलूनिस्ट वापिस लौटा तो रोजर उसका अभिवादन करने के लिए दौड़ा. टोबी ने गाड़ी से छलांग लगाई और वो अपने मालिक से लिपट गया. लड़के ने कुत्ते को अपनी बाँहों में कसकर पकड़ लिया.

"तुम्हें पक्षी की तरह उड़ना कैसा लगा?" रोजर ने पूछा. "अगली बार जब तुम गुब्बारे में ऊपर जाओगे, तो मैं भी तुम्हारे साथ चलूँगा."

उसी रात मिस्टर ब्लैंचर्ड अपनी यात्रा की रिपोर्ट देने के लिए राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन के घर गए. फ्रांसीसी ने राष्ट्रपति वाशिंगटन को, उनके पत्र के लिए धन्यवाद दिया, और यह बताया कि उससे उन्हें सुरक्षित लौटने में मदद मिली थी. अमेरिका में हवाई मार्ग से भेजा जाने वाला वो पहला पत्र था.

जाने से पहले, मिस्टर ब्लैंचर्ड ने राष्ट्रपति वाशिंगटन को वो झंडा भी भेंट किया जिसे लेकर वो उड़े थे. राष्ट्रपति ने कृतज्ञतापूर्वक झंडे को स्वीकार किया. उन्होंने कहा, "यह झंडा, जिसमें एक तरफ फ्रांस और दूसरी तरफ अमेरिका के प्रतीक हैं, फ्रांस और अमरीकी लोगों के बीच की मजबूत दोस्ती दर्शाता है. वो झंडा हमें हमेशा याद दिलाएगा कि एक फ्रांसीसी व्यक्ति ने पहली बार अमेरिका में गुब्बारे की पहली सफल उड़ान भरी थी."

समाप्त